

मनसा सेवा - 69

अव्यक्त बापदादा :- (13/03/1998)

» _ » कमाया और खाया, ऐसा तो नहीं है? दो दिन कमाया और एक दिन इतना ही गवाया जो जमा किया हुआ भी खर्च करना पड़ा। ऐसा एकाउन्ट तो नहीं है? ऐसे ही कमाया और खाया वा अपने प्रति ही लगाकर खत्म किया तो 21 जन्म के लिए जमा क्या किया? **जमा की तो खुशी होती है लेकिन खर्च का हिसाब नहीं निकाला तो समय पर धोखा मिल जायेगा। जमा का खाता भी देखो लेकिन साथ-साथ अपने प्रति खर्च कितना किया।**

» _ » दूसरे को कोई गुण दिया, शक्ति दी, ज्ञान का खजाना दिया वह खर्च नहीं है, वह जमा के खाते में जमा होता है लेकिन अपने प्रति समय प्रति समय खर्च किया तो खाता खाली हो जाता है। इसीलिए अच्छे विशाल बुद्धि से चेकिंग करो। जमा का खाता बहुत लम्बा चौड़ा चाहिए। है **सहज अगर हर कदम में पदम जमा करते जाओ तो जमा का एकाउण्ट बहुत बड़ा हो जायेगा। तो चेक करो कि हर कर्म व कदम ब्रह्मा बाप समान रहा?**

» _ » अनुभवी हो, जब कोई अच्छा कर्म करते हो तो कर्म का फल उसी समय प्रत्यक्ष रूप में खुशी, शक्ति और सफलता के कारण डबल लाइट रहते हो क्योंकि याद रहता है बाप के साथ से कर्म किया। **और अगर अभी कोई विकर्म होता है तो उसका पश्चाताप बहुत लम्बा है।** वैसे अभी विकर्म तो कोई होना नहीं चाहिए, वह तो टाइम अभी बीत गया, लेकिन अभी कोई व्यर्थ संकल्प वा व्यर्थ कर्म, व्यर्थ बोल, व्यर्थ संबंध-सम्पर्क भी न हो। **क्योंकि व्यर्थ संबंध-सम्पर्क भी बहुत धोखा देता है। जैसा संग वैसा रंग लग जाता है।**

» _ » कई बच्चे बड़े चतुर हैं कहते हैं हम तो संग नहीं करते, लेकिन वह मेरे को नहीं छोड़ते, मैं नहीं करती, वह नहीं छोड़ते। तो क्या किनारा करना नहीं आता? अगर कोई बुरी चीज़ दे तो आप लेते क्यों ही! लेने वाला नहीं लेगा तो देने वाला क्या करेगा? इसीलिए व्यर्थ सम्बन्ध और सम्पर्क भी एकाउण्ट खाली कर देता है। और उसी समय अन्दर दिल में आता भी है, दिल खाता है - यह करना नहीं चाहिए। करना नहीं चाहिए फिर भी कर लेते हैं। सुनना नहीं चाहिए लेकिन सुना दिया तो क्या करूं! लेकिन अगर पुरुषार्थी हो तो व्यर्थ कर्म भी न हो। अलबेले हो तो बात ही छोड़ो, फिर तो आराम से सो जाओ, त्रेता में आ जाना।

» _ » लेकिन अगर पुरुषार्थ है तो उसी समय दिल में आता है, दिल खाता है कि यह नहीं करना चाहिए फिर भी करते हैं तो बापदादा तो कहेंगे कि ऐसे बच्चों की भी कमाल है। न चाहते भी करते रहते हैं, दिल खाता रहता है और सुनते भी रहते, करते भी रहते, तो बहुत पावरफुल आत्मायें हैं। इसलिए व्यर्थ के ऊपर भी चेकिंग अटेन्शन से करो। **अलबेले रीति से चेकिंग नहीं, हाँ कोई बात नहीं, यह तो होता ही है, यह तो चलता ही है, अभी सम्पूर्ण कहाँ हुए हैं, हो जायेंगे . यह अलबेलापन नहीं करना है और तीव्रगति से करना है, इसको कहते हैं होली मनाना।**

➤➤ आत्मघाती आदतें (Self Destructive Habits)

» _ » करना नहीं चाहिए फिर भी कर लेते हैं

→ **जो चीज पता है गलत है फिर भी कर लेते हैं**

■ एक अज्ञात शक्ति प्रेरित कर रही है

► विवेक तो कहता है नहीं करना चाहिए पर कर लेते

हैं

» _ » जो गलतियाँ की हैं उससे नहीं सीखना

→ सिंहावलोकन करना चाहिए

■ पीछे मुड़कर देखना है क्या गलतियाँ की

► अगर नहीं देखा तो सम्भावना है की बहुत ज्यादा वो

गलतियाँ फिर होंगी

➤➤ तीव्र पुरुषार्थी आत्माओं के लिए व्यर्थ सम्बन्ध संपर्क या व्यर्थ संग कौन से हैं ?

➤ _ ➤ जो रेगुलर अमृतवेला करते, मुरली सुनते-सुनाते, मनन-चिन्तन करते, याद रखते, ट्रैफिक कण्ट्रोल करते, याद में भोजन खाते, नुमाशाम का योग करते, रात्रि को ज्ञान चर्चा करते, याद में सोते ऐसी आत्माओं के लिए व्यर्थ सम्बन्ध और संपर्क :-

→ 1. परचिन्तन, परदर्शन करने वाले लोगों का संग

■ ऐसे लोगों के संग से किनारा कर देना चाहिए जो दूसरों की गलतियों का चिन्तन करते हैं

→ 2. जो राजनीती, Sports, फिल्मों, Serials, ड्रामा, करंट अफेयर्स की चर्चा करते हैं

■ किसके साथ दोस्ती है, किसके पास कितना धन है, किसकी शादी हुई

→ 3. भोजन की चर्चा

■ क्या भोजन बना, क्या स्पेशल बनाना है, सुबह, दोपहर क्या था, शाम को क्या बनेगा

→ 4. मौसम की चर्चा

■ ठण्ड ज्यादा है, टेम्परेचर कितना है? आंधी-तूफान कहाँ आया, इधर ज्यादा बारिश गिरी, उधर बारिश कितनी थी?

→ 5. Health & Disease की चर्चा

■ बीमारियों की चर्चा करना

■ Over Health Conscious बनना देहभान की निशानी है

■ किसको कौन सी बीमारी है, पहले ये बीमारी थी अब ये है

■ इधर दवाई कराई, उधर दवाई कराई फिर भी ठीक नहीं हुआ, कोई नीम हकीम हो तो बताओ

► जो आत्माएं सिर्फ स्वास्थ्य की ही चर्चा करती हैं उनसे दूर रहना है

→ 6. लौकिक घर, लौकिक देश, लौकिक भाषा की चर्चा

■ अपनी भाषा वाले मिल गए तो अपने यहाँ की चर्चा

→ 7. साधन की चर्चा

■ टेक्नोलॉजी में recent क्या चल रहा है ?

- अभी latest मॉडल कौन सा चल रहा है ?

- नए सॉफ्टवेयर, Latest Apps, latest offers कौन सी

हैं, रिचार्ज में डिस्काउंट की चर्चा

→ 8. फैशन की चर्चा

- वाइट में भी फैशन

- अच्छी साडी वाइट में कौन सी है ?

→ 9. जो नाम-मान-शान के पीछे हैं

- जो नाम-मान-शान के पीछे हैं उनका संग नहीं करना

चाहिए

→ 10. शाम को बैठकर दिनभर की चर्चा

- शाम को बैठकर दिनभर में क्या-क्या हुआ उसकी चर्चा

करते रहते हैं

- कहाँ गए थे, क्या हुआ

→ 11. Groups बना लेना

- South, North वाले ग्रूप

- Same Frequency वाले अपना ग्रूप बना लेते
-